वाणिज्य मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री सलमान खुर्शीद) : (क) वर्ष 1990-91 तथा 1991-92 के दौरान भारत से संयुक्त राज्य अमरीका को निर्यात की गई औषधीय जड़ी-बूटियों की प्रमुख मदें ये थीं : ईसब गोल की भूसी/बीज, सनाय के पत्ते तथा फलियां, कच्ची अफीम, पोस्त के बीज/भूसी, सरस पारिला तथा सदाबहार की जड़ आदि । वर्ष 1990-91 तथा 1991-92 के दौरान संयुक्त राज्य अमरीका को इन मदों का निर्यात क्रमशः 46.09 करोड रुपये तथा 55 करोड़ रुपये के रहे ।

(ख) जी, नहीं ।

(ग) प्रश्न नहीं उठता ।

(घ) जी, हां ।

(ङ) औषधीय पौधों/जड़ी बूटियों के निर्यात गैर सरकारी पार्टियों द्वारा किये जाते हैं और ये निर्यात सरकारों के बीच हुये किसी प्रकार के विशेष व्यापार करारों द्वारा संचालित नहीं होते हैं ।

निर्यात संवर्धन परिषदों में कर्मचारियों की छंटनी

1140. **श्री अजीत जोगी :**

श्री राजूभाई ए० परमार :

क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने निर्यात संवर्धन परिषदों में कई कर्मचारियों की छटनी कर दी है ;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है और उसके क्या कारण हैं ;

(ग) क्या सरकार छंटनी संबंधी अपने आदेशों की समीक्षा करने का विचार रखती है ; और

(घ) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है ?

वाणिज्य मंत्रालय में उप मंत्री (श्री सलमान खुर्शीद) : (क) जी, नहीं ।

(ख) से (घ) प्रश्न नहीं उठता ।

हंगरी के साथ नवीन व्यापार प्रस्ताव

1141. **श्री अजीत जोगी** : क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार हंगरी के साथ सहयोग के कुछ क्षेत्रों का विस्तार करने का विचार रखती है;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या गत जनवरी में हुई भारत-हंगरी संयुक्त व्यापार परिषद् की पिछली बैठक में इस संबंध में कोई निर्णय लिया गया था; और

(घ) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है ?

वाणिज्य मंत्रालय में उप मंत्री (श्री सलमान खुर्शीद) : (क) और (ख) जी हां, हंगरी के साथ द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाने के लिए विभिन्न उपाय किए जा रहे है । इनमें अन्य बातों के साथ-साथ ये भी शामिल है : व्यापार की वस्तुओं का विस्तार तथा विविधीकरण, व्यापार मेलों और प्रदर्शिनियों में भागीदारी को बढ़ावा देना, वाणिज्यिक तथा व्यापार-प्रतिनिधि-मंडलों का आदान प्रदान शामिल है ।

(ग) और (घ) भारत-हंगरी संयुक्त व्यापार परिषद् की 23 जनवरी, 1992 को नई दिल्ली में हुई 10वीं बैठक में, हंगरी में संयुक्त उपक्रमों की स्थापना करने के लिए अभिज्ञात किए गए प्रमुख क्षेत्र है : वस्त्र, परिधान, चमड़ा तथा चमड़े से बने उत्पाद, आटोमोबाइल संघटक पर्यटन तथा होटल उद्योग, खाद्य प्रसंस्करण इलैक्ट्रानिक्स आदि । दोनों देशों के बीच व्यापार में सुधार करने की सम्भावनाओं पर भी विचार-विमर्श किया गया ।